कार्यालय जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, वैशाली

पत्रांक 1830 /मनरेगा, हाजीपुर दिनांकः 26/9/13

प्रेषक,

लोकपाल, मनरेगा,
वैशाली(हाजीपुर)

सेवा में,

उप विकास आयुक्त,
वैशाली।

विषयः– **आयुक्त कार्यालय, तिरहुत प्रमण्डल, मुजफ्फरपुर द्वारा प्राप्त श्री आलोक कुमार ईश्वर, ग्राम– हरि प्रसाद, पो0– मंडई, प्रखण्ड– जन्दाहा, जिला– वैशाली के शिकायत पत्र के संबंध में।**

प्रसंगः– **सं0स0वि0–9–10/13/3049 दिनांक 03.08.2013**

उपर्युक्त विषयक शिकायत पत्र के अनुसार जांच प्रतिवेदन के तथ्य एवं निष्कर्ष भेजा जा रहा है। उक्त जांच से संबंधित संचिका अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में सुरक्षित है।

अनुलग्नकः **जांच प्रतिवेदन के तथ्य एवं निश्कर्श।**

विश्वासभाजन

लोकपाल, मनरेगा,
वैशाली।

ज्ञापांक 1830 /मनेरगा, दिनांक 26/9/13

प्रतिलिपिः जिला पदाधिकारी–सह– जिला कार्यक्रम समन्वयक, वैशाली को सादर सूचनार्थ।

लोकपाल, मनरेगा,
वैशाली।

कार्यालय जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, वैशाली
लोकपाल, मनरेगा, जिला–वैशाली

शिकायत संख्या– 23/13–14 के तथ्य एवं निष्कर्ष

दिनांक		अभ्युक्ति

यह शिकायत पत्र श्री आलोक कुमार ईश्वर , पिता– राजेन्द्र ईश्वर ,ग्राम– हरिप्रसाद , पो0– मंडई , पंचायत हर प्रसाद , थाना– जन्दाहा, जिला– वैशाली के दिनांक 30.08.2013 के आवेदन पत्र पर अंकित किया गया था। शिकायत पत्र में विभिन्न प्रकार के आरोप लगाये गये है। जिसमें मनरेगा संबंधित आरोप निम्न प्रकार है:–

ग्राम पंचायत हर प्रसाद में सरकारी योजनाओं की राशि में गबन के संबंध में मनरेगा योजना के अन्तर्गत पंचायत में 26 यूनिट पेड़ लगाया गया है जिसमें मात्र 500 से 700 तक ही सिमट कर रह गया है। यह हाल 2011–12 का है। शिकायतकर्त्ता का आगे यह भी कहना है कि अधिक से अधिक राशि का निकासी कर लिया गया है।

शिकायतकर्त्ता के शिकायत के संबंध में दिनांक 31.08.2013 को कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रखण्ड– जन्दाहा, जिला– वैशाली से कारण पृच्छा की मांग की गयी तथा एक सप्ताह के अन्दर जांच प्रतिवेदन से अवगत कराने का निदेश दिया गया। परन्तु पन्द्रह दिनों से भी अधिक समय बीत जाने के पश्चात् कार्यक्रम पदाधिकारी, जन्दाहा का प्रतिवेदन नहीं प्राप्त हो सका।

अतएव दिनांक 19.09.2013 को मेरे द्वारा योजनाओं की स्थल जांच की गयी। मेरे साथ पंचायत रोजगार सेवक श्री विनय कुमार, पंचायत तकनीकी सहायक, श्री गौतम कुमार, श्री चमन ईश्वर , मुखिया ग्राम पंचायत हर प्रसाद के साथ अन्य ग्रामीण भी उपस्थित थे। पंचायत रोजगार सेवक द्वारा वर्ष 2011–12 में लगाये गये वृक्षारोपण योजनाओं की एक सूची दी गयी जिसमें प्राक्कलन की राशि मापी पुस्तिका की राशि एवं जीवित पौधों की संख्या योजनाओं के सामने दर्शाया गया था।

मेरे द्वारा वृक्षारोपण के प्रत्येक योजनाओं कौ स्थल निरीक्षण किया गया तथा यह पाया गया कि शिकायत पत्र में जो कुल 26 यूनिटों में वृक्ष की संख्या बतायी गयी है। वह गलत हे। वृक्षारोपण योजनाओं में जीवित पाये गये पौधों की संख्या निम्न अनुसार है।

योजना संख्या	यूनिटों की संख्या	लगाये गये पौधे की संख्या	जीवित पौधो की संख्या
01/11–12	2	400	425
02/11–12	1	200	200
03/11–12	3	600	180
04/11–12	1	200	207
05/11–12	1	200	125
06/11–12	2	400	355
07/11–12	3	600	607
08/11–12	3	600	542
09/11–12	3	600	649
10/11–12	3	600	350
11/11–12	2	400	378
12/11–12	2	400	376
कुल:–	26 यूनिट		

उपरोक्त योजना संख्या 03/11–12 तथा 10/11–12 के संबंध में स्थानीय मुखिया ने बताया कि उक्त सड़क को प्रधानमंत्री सड़क योजना द्वारा विस्तारीकरण किया जा रहा है। जिस कारण वश कुछ पौधे का नुकसान हो गया है।

मजदूरों के मजदूरी भुगतान के संबंध में पूछने पर पंचायत रोजगार सेवक द्वारा भुगतान हेतु माह सितम्बर 2012 से मई 2013 तक की एडवाइस की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया। एडवाइस में अंकित सात मजदूरों से पूछताछ की गयी । उन्होंने लिखित रूप से ब्यान दिया है कि उन्होंने वनपोषक के रूप में वृक्षारोपण की योजनाओं में काम किया हैं जिसकी मजदूरी का भुगतान उन्हें डाकघर के माध्यम से मिल चुका है।

मुखिया ग्राम पंचायत हर प्रसाद, प्रखण्ड, जन्दाहा शिकायत पत्र में लगाये गये आरोपों के संबंध में उन्होंने लिखित रूप से बताया कि पंचायत में 500 से 700 पौधा है यह गलत है। पंचायत के प्रत्येक यूनिट में पौधे लगे हुए है। उन्होनें इस आरोप को भी गलत बताया कि मुखिया जी पैसा निकालते है। उन्होने कहा है कि डाकघर केन्द्र सरकार की संस्था है वह उपने हिसाब से कार्य करती है।

मजदूरों से बातचीत में मजदूरी का भुगतान प्राप्त होने की बात कही है। वृक्षारोपण की योजनाएँ संतोषप्रद है योजना सं0 05/11–12 में जीवित पौधों की संख्या कम है। उक्त संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा सकती है।

लोकपाल, मनरेगा,

वैशाली।